International Journal of HumanitiesAnd Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 24-08-2024,Accepted: 23-09-2024, Published: 08-10-2024
Volume 10, Issue 5, 2024, Page No. 26-31

स्नातक विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के संदर्भ

उमेश कुमार राम
शोधार्थी, समाजशास्त्र और सामाजिक नृविज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश धर्मशाला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, भारत

सारांश
आधुनिकता के इस युग में मानव विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करता है। मानव अब इतना प्रगति कर लिया है, की वह अपने हाथ में पकड़े छोटे से उपकरण मोबाईल फोन से बहुत सारे काम कर सकता है जैसे किसी को संदेश भेजना हो या बिजली का बिल यात्रा की टिकट। फोन आजकल मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है, उसी तरह आधुनिक उपकरण फोन, कंप्यूटर में उपलब्ध सोशल मिडिया भी मानव की जीवन का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया का उपयोग लोग व्यक्तिगत जानकारी को साझा करने के लिए, नए दोस्त बनाने के लिए, मनोरंजन के लिए तथा दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने के लिए करते है। साथ ही सोशल मिडिया संदेश भेजने का उत्तम साधन है। सामान्य तौर पर सोशल मीडिया साइट व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर ,और लिंकडइन आदि हैं। कई बार इस चका चौंध भरे साइट पर लंबे समय तक समय बिताने से छात्रों की अकादमिक स्थिति प्रभावित होता है। सोशल मीडिया में गलत जानकारी परोसी जाती है, जिसके कारण सामाजिक संतुलन बिगड़ जाता है। समाज में सोशल मिडिया का प्रयोग सकारात्मक कार्यक्रम के लिए भी किया जाता है। जैसे जागरूकता फैलाने के लिए, आपदा जैसे असामान्य स्थिति में सूचना प्रसारण के लिए। कॉविड–19 महामारी की जानकारी भी लोगों के पास सोशल मीडिया के जरिए पहुंची, साथ ही मास्क लगाना, हाथों को सेनीटाइज करना और सोशल डिस्टेंसिंग जैसी जागरूकता सोशल मीडिया द्वारा फैलाया गया था। प्रस्तुत अध्ययन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के स्नातक के विद्यार्थियों से प्राप्त सूचना पर आधारित है।

मूलशब्दः विद्यार्थी, मीडिया, सोशल मीडिया, हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

आधुनिकीकरण के फलस्वरूप तेजी से बदलते दुनिया में कई प्रकार के नए–नए आविष्कार हुए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया शामिल हैं। सोशल मीडिया विद्यार्थियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध है; विद्यार्थी प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का प्रयोग करें या ना करें लेकिन वे सोशल मीडिया का प्रयोग जरूर करते हैं। सोशल मीडिया के कारण पारंपरिक कथाएं कहाननी को छोड़ लोग आभासी दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, इनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हैं। सोशल मीडिया के कारण अब संदेश भेजना अत्यंत सरल हो गया है। व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक रूप में साझा करने का सोशल मीडिया एक उत्तम साधन बन गया है। इस चमक दमक वाले दुनिया में लोग सोशल मीडिया के सहारे अधिक से अधिक दोस्त बनाते हैं, और उनसे अपने साझा किए गए सामग्री पर लाइक शेयर और टिप्पणी की आशा रखते हैं। इस आभासीय दुनिया में लाइक शेयर और टिप्पणी को एक स्केल की तरह देखा जाता है। सोशल मीडिया में जिसको जितना ज्यादा पसंद किया गया हो वो उतना ही अच्छा और प्रसिद्ध माना जाता है। कभी–कभी इस पसंद ना पसंद के खेल में विद्यार्थी उलझ जाते हैं और अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। और फिर अकादमिक प्रदर्शन में उसका प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाए जाते हैं, लोगों को गलत जानकारी परोसी जाती है। अफवाह इसलिए फैलती है, क्योंकि वह भावनात्मक होती है। भावनात्मक वस्तु से लोग आसानी से जुड़ जाते हैं। सोशल मीडिया में कई प्रकार के ट्रेंड आते रहते है, कुछ ट्रेंड मनोरंजक होते हैं, तो कुछ बहुत ही खतरनाक जिससे लोगों की जान चले जाने की संभावना होती है, इन अफवाहों और गलत जानकारी के द्वारा कई बार दंगे जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोगकर्ता के साथ–साथ सोशल मीडिया के उपयोगकर्ता में भी बढ़ोतरी हो रही हैं; तथा उन्हीं के साथ सोशल मीडिया धोखाधड़ी भी बढ़ रही है। सोशल मीडिया में कई प्रकार से धोखाधड़ी की जाती हैं जैसे प्रोफाइल चोरी, कैट फिशिंग और लॉटरी एंड गिफ्ट कार्ड स्कैम आदि। (जागरण,2020)

इंसान हर चीज को सरल बनाना चाहता है। प्राचीन काल में मानव अपने कार्य को करने के लिए पाषाण के अवजार बनाता था, और जंगल में जीवन व्यतीत करते समय अपने कार्य को उन पाषाण उपकरणों के सहायता से जंगली जानवरों का शिकार करता था, कंद मूल एकत्र करता था, तथा जंगली जानवरों से अपनी सुरक्षा भी करता था। मानव धीरे–धीरे उद्विकसित होता गया और आगे चल कर जंगल से निकलकर गांव, शहर और कॉलोनी में बसने लगा और आज इतना उद्विकास कर लिया कि सारी चीजें वह अपने फोन से कर सकता है। उसके हर चीजों को सरल बनाने के प्रयास से आज कई प्रकार के आधुनिक उपकरण का निर्माण किया, साथ–ही–साथ मनोरंजन और एक दूसरे से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया साइट का अविष्कार किया है।

जो सोशल मीडिया साइट पारंपरिक व्यवस्था जैसे खेलकूद, नाटक, संगीत और नृत्य जैसे चीजों का समय ले लिया है।

मीडिया की परिभाषा

मीडिया वह तकनीक है, जो अधिक से अधिक लोगों तक सूचनाओं का प्रसारण करता है। दुनिया भर में कहीं भी, घटने वाली घटनाओं को मीडिया द्वारा घर–घर तक पहुंचाया जाता है। जब हम मीडिया की बात करते हैं, तो सामान्य रूप से इसमें समाचार पत्र, टीवी और रेडियो आदि शामिल होते हैं। सूचना की जानकारियों की प्राप्ति के लिए आम लोग इन्हीं सामग्री का प्रयोग करते हैं। मीडिया के सहारे ही कोविड 19 महामारी कि इस असामान्य परिस्थिति की जानकारी जन सामान्य को मिली तथा टीका करण के लिए भी लोगों को मीडिया के द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

'मीडिया' अंग्रेजी शब्द 'मीडियम' का बहुवचन है जिसका अर्थ होता है–'माध्यम'। 'मीडिया' शब्द संचार के साधनों रेडियो, टेलीविजन, समाचार–पत्र आदि के लिए संज्ञा की तरह प्रयोग किया जाता है। बिना माध्यम के कोई भी संदेश ग्रहण करने व भेजने की प्रक्रिया संपन्न नहीं हो सकती है। माध्यम ही सूचना

की शक्ति और उसकी प्रभाव क्षमता को तीव्र बनाता है, जिस प्रकार से इंटरनेट के माध्यम से कुछ ही मिनटों में कोई भी संदेश वायरल हो जाता है। मीडिया को एकवचन या बहुवचन के रूप में भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर संचार के मुख्य साधन हैं।

मीडिया का मुख्य उद्देश्य समुदाय को सूचित करना, शिक्षित करना और प्रेरित करना है ताकि नए विचारों और तकनीकों को स्वीकार किया जा सके और उनकी जीवन शैली में सुधार हो सके। जनसंचार मीडिया का उपयोग बड़े पैमाने पर संचार के चौनल के रूप में किया जाता है, जिससे कि विस्तृत क्षेत्र में सूचना का प्रसार किया जा सके। समाचार पत्र टीवी और रेडियो को आम जनता मीडिया के रूप में जानती है।

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया इंटरनेट के माध्यम से एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म (फ़ेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम) आदि का उपयोग कर के पहुंच बना सकता हैं। सोशल मीडिया में लोग अपनी फोटो वीडियो और राय साझा करते हैं, और लोग उन्हें लाइक शेयर और टिप्पणी कर सकते हैं। तथा ज्यादातर सोशल मीडिया अपने उपयोगकर्ताओं को चौट करने, ऑडियोकॉल करने और वीडियोकॉल करने कि सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। सोशल मीडिया एक समूह की तरह होता है जिसमें उपयोग करता अपनी इच्छा से उसमें शामिल होते हैं; तथा सोशल मीडिया सामग्री का लाभ उठाता है। इन सोशल मीडिया में WhatsApp, Twitter, Facebook, Instagram आदि शामिल है। सबसे पहला सोशल मीडिया साइट 'सिक्स डिग्रीज़' था। जो 1997 में सामने आया था। (जागरण डेस्क, 2021) वर्तमान लोकप्रिय सोसल मीडिया की बात करें तो उसमें यूट्यूब, फेसबुक , इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और एक्स (ट्विटर) आदि शामिल हैं।

सोशल मीडिया दो शब्दों से मिलकर बना है। सोशल तथा मीडिया पहला शब्द सोशल ऐसी स्थिति को इंगित करता है, जहाँ व्यक्ति स्वयं को किसी समूह के सक्रिय रूप से जोड़ने का प्रयास करता है जैसे अपने विचारों एवं अनुभवों को आपस में साझा करता है। दूसरा शब्द मीडिया को एक माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। इसमें समाचार पत्र, टीवी और इंटरनेट आदि शामिल है। मीडिया के बढ़ते प्रयोग से सोशल मीडिया की एक परिभाषा करना संभव नहीं है। विभिन्न विद्वानों ने सोशल मीडिया के अलग–अलग परिभाषाएं दिए हैंरू एम. बॉयड, बी. एलिसन के अनुसार "सोशल नेटवर्क साइट्स को वेब–आधारित सेवाओं के रूप में परिभाषित करते हैं जो व्यक्तियों को (1) एक सीमित सिस्टम के भीतर एक सार्वजनिक या अर्ध–सार्वजनिक प्रोफ़ाइल बनाने, (2) उन अन्य उपयोगकर्ताओं की सूची बनाने की अनुमति देती हैं जिनके साथ वे कनेक्शन साझा करते हैं, और (3) सिस्टम के भीतर अपने और दूसरों द्वारा बनाए गए कनेक्शनों की सूची को देखने और उन पर नज़र रखने की अनुमति देती हैं। इन कनेक्शनों की प्रकृति और नामकरण साइट से साइट पर भिन्न हो सकते हैं।"

एंड्रियास कापलान और माइकल हेनलेन के अनुसार सोशल मीडिया: इंटरनेट–आधारित अनुप्रयोगों का एक समूह जो वेब 2.0 की वैचारिक और तकनीकी नींव पर आधारित है, और जो उपयोगकर्ता द्वारा निर्मित सामग्री के निर्माण और आदान–प्रदान की अनुमति देता है।

साहित्य समीक्षा

- एम. बॉयड, बी. एलिसन (2007) "सोशल नेटवर्क साइट्स: परिभाषा, इतिहास और छात्रवृत्ति" अपने पाने शोध पत्र में सोशल मीडिया की बताए हुवे कहते हैं परिभाषा दिए है, सोशल नेटवर्क साइट्स को वेब–आधारित सेवाओं के रूप में परिभाषित करते हैं जो व्यक्तियों को (1) एक सीमित सिस्टम के भीतर एक सार्वजनिक या अर्ध–सार्वजनिक प्रोफ़ाइल बनाने, (2) उन अन्य उपयोगकर्ताओं की सूची बनाने की अनुमति देती हैं जिनके साथ वे कनेक्शन साझा करते हैं, और (3) सिस्टम के भीतर अपने और दूसरों द्वारा बनाए गए कनेक्शनों की सूची को देखने और उन पर नज़र रखने की अनुमति देती हैं। इन कनेक्शनों की प्रकृति और नामकरण साइट से साइट पर भिन्न हो सकते हैं।
- एंड्रियास कापलान और माइकल हेनलेन (2010) "दुनिया के उपयोगकर्ता एकजुट हों! सोशल मीडिया की चुनौतियाँ और अवसर" ने अपने शोध पत्र में सोशल मीडिया की परिभाषा करते हुवे लिखते हैं, की सोशल मीडिया: इंटरनेट–आधारित अनुप्रयोगों का एक समूह जो वेब 2.0 की वैचारिक और तकनीकी नींव पर आधारित है, और जो उपयोगकर्ता द्वारा निर्मित सामग्री के निर्माण और आदान–प्रदान की अनुमति देता है।
- मुन्ज़िर अहमद (2016) "मार्क जकरबर्ग और एफबीआई के डायरेक्टर लैपटॉप के वेबकैम पर लगाते हैं टेप" आज तक वेब न्यूज में बताते है की मार्क जुकरबर्ग हैकरों से बचने के लिए अपने लैपटॉप के वेबकैम पर टेप लगाते है। यह जानकारी उनकी एक इंस्टाग्राम पोस्ट में दिखा था।
- गुरमीत कौर (2018) "सोशल मीडिया का बढ़ता इस्तेमाल इस तरह बना रहा है विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को खोखला" लेख में कौर ने विद्यार्थियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे सोसल मीडिया के निम्न प्रभाव को बताते हैं रू याददाश्त में कमी आती है।, एकाग्रता प्रभावित होती है।, आत्मसम्मान पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।, कम्युनिकेशन स्किल्स में कमी अति है। और चिंता और तनाव बढ़ता है।
- के. एबिराज (2018) "विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सोशल मीडिया के निर्माण और गतिशीलता का शैक्षणिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव" यह अध्ययन दक्षिण भारत में किया गया था। एंबीराज ने अपने अध्ययन में सोसल मीडिया का शैक्षणिक प्रयोग के रूप मे बताया कि जब विद्यार्थी कक्षा में अनुपस्थित रहता है, तो वह अपने साथियों से कक्षा में क्या पढ़ाया गया उसकी जानकारी प्राप्त करता है। तथा फाइलों का आदान प्रदान करते है। साथ ही शैक्षिक चर्चा में भाग लेने के लिए करते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से अपनी शंकाओं और अकादमी गतिविधि सुधारने के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं तथा एंबिराज ने हमें यह भी बताया है कि सोशल मीडिया के कारण लैंगिक असमानता और जाति भेद कम हूवा है।
- इस. निशा (2019) "नमक्कल जिले के निजी स्कूलों के विशेष संदर्भ में चुनिंदा स्कूली छात्रों के बीच सोशल मीडिया नेटवर्किंग का प्रभाव" ने अपने अध्ययन में बताया कि सोशल मीडिया आज लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, सोशल मीडिया के कारण छात्रों की अध्ययन आदत प्रभावित थी। अध्ययन में पता चला कि सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मुख्यतः समूह बनाने के लिए किया जाता है। सोशल नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियां शिक्षार्थियों की प्रौद्योगिकी दक्षता में सुधार करती हैं, शिक्षार्थियों के सामाजिक कौशल को बढ़ाती हैं और शिक्षार्थियों को उस क्रम में नए लोगों के साथ नए तरीकों से संवाद करने में मदद करती हैं।
- पवन जैसवाल (2020) "सोशल मीडिया पर मनी स्कैम से लोगों को लग रहा लाखों रुपये का चूना, जानिए क्या हैं बचने के उपाय" ने अपने लेख में बताया है की सोसल मीडिया का प्रयोग जैसे–जैसे बढ़ रहा है, वैसे ही सोसल

मीडिया धोखाधड़ी भी बढ़ रहा है, जैसवाल ने धोखाधड़ी के चार प्रकार प्रोफाइल चोरी, कैट फिशिंग और लॉटरी एंड गिफ्ट कार्ड स्कैम बताए हैं।

- लिंडा रोसेनक्रांस (2023) अपनी लेख 'मीडिया' में मीडिया की परिभाषा देते हुवे बताती है, की व्यापक रूप से संचार के सभी चौनलों का वर्णन करता है, जिसमें मुद्रित कागज से लेकर डिजिटल डेटा तक सब कुछ शामिल है। मीडिया में समाचार पत्र, टी. वी. और अन्य इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री आदि आते हैं।
- एन. राजा (2021) "तमिलनाडु में मीडिया छात्रों के लिए एक शैक्षिक उपकरण के रूप में सोशल मीडिया के प्रभाव पर एक अध्ययन" ने अपने शोध में बताया है की आज की इस डिजिटल संस्कृति के समय में सोसल मीडिया एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, शोध में अधिकतम सूचनादाता सोशल मीडिया लर्निंग को स्वीकार किए हैं। सोशल मीडिया के कारण आज पाठ्य सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाता है और शैक्षिक समूह भी सोशल मीडिया में बनते हैं। सोशल मीडिया की बढ़ती ताकत और इसके बढ़ते प्रभाव ने मीडिया के छात्रों को शिक्षा और करियर के मामले में खुद को समृद्ध, उन्नत और सशक्त बनाने के अनगिनत विकल्प दिए हैं।
- अमिताभ सक्सेना (2021) "स्नातक छात्रों के सोशल मीडिया के प्रति दृष्टिकोण और उपलब्धि पर सहकर्मी शिक्षण और नेटवर्किंग साइटों के माध्यम से शिक्षण का तुलनात्मक अध्ययन" ने बताया है की उनके अध्ययन में शोध में भाग लेने वाले स्नातक स्तर के एक तिहाई से अधिक छात्रों का सोशल मीडिया के प्रति नकारात्मक रवैया है। स्नातक स्तर के एक–चौथाई से अधिक पुरुष छात्रों और स्नातक स्तर की आधी महिला छात्रों का सोशल मीडिया के प्रति नकारात्मक रवैया है। सरकारी स्नातक स्तर के लगभग आधे छात्र और निजी स्नातक स्तर के एक–चौथाई से अधिक छात्र सोशल मीडिया के प्रति नकारात्मक रवैया रखते हैं।
- जी न्यूज डेस्क (2021) "ये थी दुनिया की पहली सोशल मीडिया साइट, सबसे पहले अपलोड हुई थी चार लड़कियों की फोटो" में प्रकाशित लेख में सबसे पहला सोसल मीडिया सिक्स डिग्रीज़ को बताया गया है, इसकी स्थापना 1997 को हुवा था। इसमें लोग अपना फोटो अपलोड कर सकते थे और दूसरों को अपना दोस्त बना सकते थे।
- सी. शांतामूर्ति (2023) "उच्चतर माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि, उनकी शैक्षणिक प्रतिबद्धता, सामाजिक मीडिया उपयोग और सामाजिक परिपक्वता के संबंध में" ने अपने अध्ययन में कहा है, की सोशल मीडिया हर किसी तक पहुंच चुका है और यह शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ाने के लिए भी एक बेहतरीन साधन है।
- सिलमपल लर्न (2024) "सोशल मीडिया का प्रभाव: फायदे और नुकसान [2024]" लेख में सोसल मीडिया के विभिन्न लाभों की चर्चा की गई है जो निम्न है: बेहतर संचार के साधन, सूचना प्रसार करने में उपयोगी, मुफ्त ज्ञान प्रदान करने में उपयोगी, समुदाय निर्माण, रोजगार पाने में सहायक, मनोरंजन, सामाजिक आंदोलन, रचनात्मकता और आत्म–अभिव्यक्ति, सहयोग और नेटवर्किंग, ब्रांड निर्माण, जागरूकता और धन उगाहना, अन्य संस्कृतियों के बारे में अधिक जानना आदि शामिल है।
- इंटरनेट मैट्रिक्स में "सोशल मीडिया का फायदा" में छे प्रकार के फायदों की चर्चा की गई है। जो इस प्रकार हैं, संचार तकनीकी कौशल विकास में उपयोगी, कनेक्शन विकसित करने की सीमाओं को बढ़ाता है, रिश्तो को मजबूत करने के लिए, सहारा लेने के लिए, सामाजिक भलाई के लिए और एक सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट विकास करने का फायदा सोसल मीडिया से मिलता है।
- दृष्टि आई. ए. एस. "सोशल मीडिया: समस्या व समाधान" में सोसल मीडिया के निम्न नाकारात्मक प्रभाव को बताते हैं: साइबर–बुलिंग को बढ़ावा देता है।, फेक न्यूज़ और हेट स्पीच फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।, गोपनीयता की कमी होती है और कई बार आपका निजी डेटा चोरी होने का खतरा रहता है।, और साइबर अपराधों जैसे– हैकिंग और फिशिंग आदि का खतरा भी बढ़ जाता है।
- एम. के. गांधी ओ आर जी: उपलब्ध के अनुसार गांधी जी साबरमती आश्रम छोड़ने के बाद उन्होंने शपथ ली थी की वे जब तक भारत आजाद नहीं हो जाएगा तब तक साबरमती आश्रम नहीं जाएंगे। इसलिए उन्होंने जेल से छूटने के बाद वर्धा के सेवाग्राम में 1936 से 1948 तक सेवाग्राम आश्रम में रहे।

उदेश्य

1. सोशल मीडिया प्रयोग से विद्यार्थियों के सामाजिक जीवन पर पड़ने वाला प्रभाव को जानना।
2. सोशल मीडिया प्रयोग से विद्यार्थियों के मानसिक, भावनाओ पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषणकरना।
3. सोसल मीडिया के प्रयोग से विद्यार्थियों के जीवन में लाभ और दोष की जांच।

शोध प्रविधि

अध्ययन में विद्यार्थियों के चयन के लिए कोटा प्रतिदर्शन का प्रयोग किया गया। विद्यार्थियों को उनके विभाग के अनुसार अलग–अलग कोटा में विभाजित कर प्रश्नावली भेजा गया। विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव को जांचने के लिए गूगल फॉर्म प्रश्नावली का प्रयोग किया गया था। जिसको ऑनलाइन माध्यम से ईमेल और व्हाट्सएप द्वारा सूचनादाता तक भेजा गया था। इस शोध परियोजना की गूगल फॉर्म प्रश्नावली को लगभग 80 विद्यार्थियों को भेजा गया था उनमे से 50 विद्यार्थियों ने प्रश्नवाली पुनः भर कर लौटाई। प्रस्तुत शोध का विश्लेषण Microsoft office 2010 से किया गया है।

अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ों के रूप में इंटरनेट पर उपलब्ध विभिन्न साहित्यों का अध्ययन किया गया। जैसे इंटरनेट पर उपलब्ध शोध पत्रिका, न्यूज़पेपर, वेब आर्टिकल और शोधगंगा पर उपलब्ध थीसिस आदि। द्वितीयक आंकड़े इन्हीं स्रोतों पर आधारित है।

शोध क्षेत्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, भारत में महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले के गांधी हिल पर स्थित है। विश्वविद्यालय के चार केंद्र है, जिसमें से शोध के लिए सूचनादाताओं का चयन मुख्य केंद्र वर्धा से किया गया था। यह विश्वविद्यालय भारत का एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। जिसकी स्थापना 1997 में किया गया था। यह शहर महात्मा गांधी के आश्रम सेवाग्राम के लिए भी प्रसिद्ध है, जो जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

सूचनादाताओं का परिचय

यह अध्ययन मूलतः महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के स्नातक के विद्यार्थी पर केंद्रित है। विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थी की सामाजिक, आर्थिक और आयु की स्थिति अलग–अलग है। अतः सूचनादाताओं का परिचय आवश्यक हो जाता है।

इस शोध में शामिल सूचनादाताओं की संख्या 50 है, जिनको निदर्शन के रूप में शामिल किया गया है जिसमे महिलाओं की संख्या पुरुषो से अधिक है। शोध में महिलाए 62% हैं और पुरुष महिलाओं के लगभग आधे 38% है।

शोध में 21–23 वर्ष वाले विद्यार्थी की संख्या अधिक है इनकी संख्या 23 है जो 46 प्रतिशत होता है। और 18–21 वर्ष के विद्यार्थियों की भी संख्या इनके आस पास 21 है जो शोध निदर्शन के 40 प्रतिशत है। शोध में सबसे कम 24 वर्ष से अधिक वाले विद्यार्थियों की संख्या है जो केवल 7 है जो 11 प्रतिशत होता है।

शोध के प्रतिदर्श के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के विभिन्न विभागों से सूचनादाताओं का चयन किया गया है। जो इस प्रकार हैं सामाजिक एवं मानविकी विभाग के 19 सूचनादाता शामिल हैं, जो शोध में 38% के साथ प्रतिनिधित्व करते हैं। साहित्य विभाग के 11 सूचनादाता जो शोध में 22% की भागीदारी में हैं, शिक्षा और अन्य विभाग के क्रमशः 12 और 8 सूचनादाता शामिल है जो 24 और 16 प्रतिशत हैं।

सूचनादाताओं से प्राप्त आकड़ो के अनुसार अधिकतर विद्यार्थी 1 से 5 वर्ष से सोशल मिडिया प्रयोग कर रहे है, जो 44% है। 5 वर्ष से अधिक समय तक सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले की संख्या 15 है जो 30% है।

विद्यार्थियों द्वारा सबसे ज्यादा व्हाट्सएप का उपयोग किया जाता है, प्रश्नावली से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है, की व्हाट्सएप का उपयोग 94% विद्यार्थी द्वारा किया जाता है। वही फेसबुक का 32%, इंस्टाग्राम 31%, ट्विटर 16%, लिंकेडल 8% और पिंटरेस्ट का सबसे कम 6% उपयोग किया जाता है।

सूचनादाताओं द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग

विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग कई प्रकार से किया जाता है, अलग–अलग काम के लिए अलग–अलग सोशल मीडिया उपलब्ध हैं, जैसे फोटो साझा करने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि हैं। और संदेश भेजने के लिए व्हाट्सअप सबसे प्रचलित है। इसके अलावा विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग जानकारी को साझा करने के लिए, स्टोरी लगाने के लिए और अपनी उपलब्धियों को साझा करने के लिए किया जाता है। कई बार विद्यार्थी सोशल मीडिया का प्रयोग नए दोस्त बनाने के लिए करता है।

सारणी 1: सूचनादाताओं द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग

सोशल मीडिया का प्रयोग	संख्या	प्रतिशत	कुल संख्या
चर्चित विषय की जानकारी के लिए	43	86%	50
मनोरंजन तथा विश्राम	33	66%	50
जागरूकता फैलाने के लिए	17	34%	50
साझा पोस्ट को शेयर करने के लिए	12	24%	50
नए दोस्त बनाने के लिए	10	20%	50
किसी संगठन का हिस्सा बनने के लिए	6	12%	50
अन्य	10	20%	50

सूचनादाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार विश्वविद्यालय के स्नातक के विद्यार्थियों ने सहमति जताई की वे सोसल मीडिया का प्रयोग सबसे ज्यादा उपयोग चर्चित विषयों की जानकारी पाने के लिए किया करते हैं। इस श्रेणी में विश्वविद्यालय के 86: विद्यार्थी आते है। साथ ही 66% विद्यार्थी मनोरंजन तथा विश्राम के लिए सोसल मीडिया का उपयोग करते हैं। तथा जागरूकता फैलाने के लिए 34%, साझा पोस्ट को शेयर करने के लिए 24%, नए दोस्त बनाने के लिए 20%, किसी संगठन का हिस्सा बनने के लिए 12% और अन्य कामों के लिए 20% विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रयोग किया जाता है।

सोशल मीडिया उपयोग करते समय भावनाओ का अनुभव

सोशल मिडिया प्रयोग करते समय विद्यार्थियों द्वारा अलग–अलग भावना का अनुभव करते है, जैसे अपनी उपलब्धियो को साझा करते समय आनंद और सुख का अनुभव करते है। साथ ही किसी की खुशी को देख कर जलन की भावना का भी अनुभव करते हैं। सामग्री को पसंद और टिप्पणी किये जाने पर सम्मानित महसूस करते है। किसी समुदाय का हिस्सा होने पर अपनत्व की भावना का अनुभव करते है। और किसी को देख कर प्रेरणा की भावना का अनुभव करते है।

सारणी 2: सोशल मीडिया उपयोग करते समय भावनाओ का अनुभव

भावना का महसूस	संख्या	प्रतिशत	कुल संख्या
खुशी महसूस	28	56%	50
प्रेरित	25	50%	50
अपनी की भावना	20	40%	50
सम्मानित	10	20%	50
अस्वीकार्य की भावना	15	30%	50
ईष्या	9	18%	50
अन्य	14	28%	50

विद्यार्थियों से प्राप्त सूचना के आधार पर 56% सुचनादाताओं ने कहा है की वे खुशी महसूस करते हैं तथा 50% सुचनादाता प्रेरित महसूस करते है। 40% सुचनादाताओं ने कहा हैं, की वो प्रेरित महसूस करते है। साथ ही 30% सुचनादाता अस्वीकार्य की भावना का अनुभव करते हैं। 20% सुचनादाताओं द्वरा सम्मानित महसूस किया गया हैं। वहीं 18% इर्षा की भावना का अनुभव करते है। और 28% सूचनादाताओं द्वारा अन्य भावना का भी अनुभव किया जाता है।

सोशल मिडिया का सूचनादाताओं के वास्तविक जीवन पर प्रभाव

विद्यार्थियों द्वारा कभी–कभी सोशल मीडिया का प्रयोग अत्यधिक करने से उनके वास्तविक जीवन पर कई प्रकार के प्रभाव पढ़ते हैं, जैसे की समाज से कटे–कटे रहते हैं। लोगों से कम बात करते हैं, और ज्यादातर अपने सोशल मीडिया अकाउंट में ऑनलाइन रहते हैं। कभी–कभी विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से किसी से बात करने से घबराता है। जितना वे सोशल मीडिया में बात करते वक्त उत्साहित होकर बात करता है, प्रत्यक्ष वार्तालाप में उसे घबराहट होने लगती है।

सारणी 3: सोशल मिडिया का सूचनादाताओं के वास्तविक जीवन पर प्रभाव

प्रभाव	संख्या	प्रतिशत
कभी–कभी प्रत्यक्ष रूप में बात करने में असहज महसूस	23	46%
हमेशा प्रत्यक्ष रूप में बात करने में असहज महसूस	9	18%
कोई प्रभाव नही	18	36%
कुल	50	100%

सूचनादाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सोशल मीडिया के प्रयोग से वास्तविक जीवन पर सबसे ज्यादा प्रभाव विद्यार्थियों पर कभी–कभी आमने–सामने बात करने में असहज महसूस करते हैं। प्रतिदर्शन आंकड़ा का 46% सूचनादाताओं ने यह माना की उन्हें कभी–कभी आमने सामने बात करने में असहज महसूस होता है। 36% सूचनादाताओं के वास्तविक जीवन पर सोशल मिडिया का कोई प्रभाव नहीं है। और 18% हमेशा आमने सामने बात करने में असहज महसूस करते हैं।

सोशल मिडिया का दुष्परिणाम

सोशल मीडिया का अधिक उपयोग से कई प्रकार के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जैसे आज कल बच्चे मैदान में नहीं फोन में खेलना पसंद करते हैं, जिसके कारण न्यूनतम शारीरिक गतिविधि के कारण कई प्रकार की बीमारियां होती है साथ ही सामाजिक कौशल भी विलुप्त हो रहे हैं। और समय बर्बाद होना आदि सोशल मीडिया के दुष्परिणाम होता है।

सारणी 4: सोशल मिडिया का दुष्परिणाम

सोशल मीडिया के दुष्परिणाम	संख्या	प्रतिशत	कुल संख्या
समय बर्बाद	31	62%	50
गोपनीयता खत्म हो जाती है	26	52%	50
न्यूनतम शारीरिक गतिविधि	13	26%	50
अन्य	21	42%	50

सूचनादाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 62% सूचनादाताओं ने यह माना है, की सोशल मीडिया के कारण समय बर्बाद होता है। और 52% सूचनादाताओं का कहना है, कि सोशल मीडिया के कारण गोपनीयता खत्म हो जाती है। वहीं 48% सूचनादाताओं का कहना है कि न्यूनतम शारीरिक गतिविधि के कारण स्वास्थ्य समंधित समस्या होती है। 46% सूचनादाताओं ने कहा की सामाजिक कौशल का खत्म हो जाना भी सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव है। और 22% सूचनादाताओं ने सोशल मीडिया का अन्य दुष्परिणाम भी बताते हैं।

सोशल मीडिया का सबसे अच्छा लाभ

सोशल मीडिया आधुनिक समय में बहुत उपयोगी है। सोशल मीडिया का उपयोग प्राइवेट सेक्टर के साथ–साथ सरकारी क्षेत्र में भी बढ़ रहा है। सोसल मीडिया का उपयोग नए दोस्त बनाने के लिए, जानकारी को साझा करने के लिए, अपने प्रतिभा को दिखाने के लिए और मनोरंजन से लेकर चर्चित विषयों की जानकारी तक हासिल करने केलिए किया जा सकता है। इस तरह सोशल मिडिया का महत्त्व बढ़ रहा है।

सारणी 5: सोशल मीडिया का सबसे अच्छा लाभ

सबसे अच्छा लाभ	संख्या	प्रतिशत	कुल संख्या
जानकारी को साझा करने के लिए	45	90%	50
दोस्त और परिवार के साथ जुड़े रहने के लिए	28	56%	50
मनोरंजन के लिए	19	38%	50
नए दोस्त बनाने के लिए	9	18%	50
अन्य	8	16%	50

सूचनादाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 90% सूचनादाताओं ने सोशल मीडिया का सबसे अच्छा लाभ व्यक्तिगत जानकारी को साझा करने के लिए बताते हैं। तथा 56% सूचनादाताओं ने कहा की दोस्त और परिवारजनों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। वहीं 38% सूचनादाताओं ने सोशल मिडिया का सबसे अच्छा उपयोग मनोरंजन के लिए, 18% सूचनादाताओं ने नए दोस्त बनाने के लिए और 16% सूचनादाताओं ने सोशल मिडिया का अन्य सबसे अच्छा उपयोग बताया है।

सोशल मीडिया पढ़ाई में उपयोगी

सोसलमिडिया का बहुआयामी उपयोग होता है, इस लिए सोसल मीडिया का उपयोग पढाई में होता है। बड़ी–बड़ी संस्थाय अपनी व्याख्यान सोशल मिडिया पर उपलब्ध कराते हैं। YouTube जैसे सोशल मिडिया में अध्ययन के लिए सामग्री भरे पड़े हैं।

सारणी 6: सोशल मीडिया पढ़ाई में उपयोगी

पढ़ाई में उपयोगी	संख्या	प्रतिशत
निश्चित रूप से असहमत	–	–
असहमत	1	2%
कुछ कह नहीं सकते	3	6%
सहमत	25	50%
निश्चित रूप से सहमत	21	42%
कुल	50	100%

शोध में प्राप्त आकड़ों के अनुसार सोशल मीडिया पढाई में उपयोगी प्रश्न का सुचनादाताओं द्वारा भर कर भेजे गये प्रसनावली का विवरण इस प्रकार है: शोध में 25 सुचनादाताओं ने सोशल मिडिया पढाई में उपयोग होती है माना है, जो शोध का 50% है। 21 सुचनादाताओं जो प्रतिदर्श का 42% है उन्होंने कहा है की निश्चित रूप से सोसल मीडिया पढ़ाई में उपयोगी होती है। 8 सुचनादाताओं ने कुछ कह नहीं सकते कहा है। 16 सुचनादाताओं जो 32% है प्रतिदर्श का उहोने सोशल मिडिया पढाई मे उपयोगी है पर असहमति जताई है। तथा 8% सुचनादाताओं ने निश्चित रूप से असहमति जताई है।

निष्कर्ष

शोध विषय महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पढ़ रहे स्नातक विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव, पर केंद्रित है। अध्ययन में विद्यार्थियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव को जांचने के तीन उद्देश्य थे । सोशल मीडिया प्रयोग से विद्यार्थियों के सामाजिक जीवन पर पड़ने वाला प्रभाव को जानना, सोशल मीडिया प्रयोग से विद्यार्थियों के मानसिक, भावनाओ पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना, सोसल मीडिया के प्रयोग से विद्यार्थियों के जीवन में लाभ और दोष की जांच, अध्ययन में आंकड़ों के संकलन के लिए प्रश्नावली प्रविधि का प्रयोग किया गया था। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है, की शोध में सूचना देने वाले सभी उत्तरदाता किसी न किसी प्रकार के सोशल मीडिया साइट का प्रयोग कर रहे थे । विद्यार्थियों द्वारा सबसे ज्यादा सोशल मिडिया का प्रयोग चर्चित विषयों की जानकारी के लिए करते हैं, तथा मनोरंजन और विश्राम, जानकारी फैलाने के लिए, और नए दोस्त बनाने के लिए करते हैं। सोशल मीडिया उपयोग करते समय ज्यादातर विद्यार्थी प्रेरित महसूस करते है। साथ ही अपनत्व, खुशी की भावना महसूस करते है। तथा कुछ विद्यार्थियों द्वारा अस्वीकार्य, ईर्ष्या और अन्य भावना का भी अनुभव करते हैं। अगर बात करें सूचनादाताओं के वास्तविक जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव की तो 46% विद्यार्थियों ने यह बताया की वे कभी–कभी प्रत्यक्ष रूप से बात करने में असहज महसूस करते हैं। तथा 18 प्रतिशत उत्तरदाता हमेशा प्रत्यक्ष रूप से बात करने में असहज महसूस करते हैं । और बाकी में कोई प्रभाव नहीं है। विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव समय बर्बाद, गोपनीयता खत्म हो जाना और न्यूनतम शारीरिक गतिविधि के कारण कई प्रकार की बीमारियों की दस्तक होती है बताया है । आज कल सोशल मीडिया का बहुआयामी प्रयोग हो रहा है गैर सरकारी संगठनों के साथ साथ सरकारी संगठनों में इसका प्रयोग बढ़ रहा है। सोशल मीडिया का सबसे अच्छा प्रयोग व्यक्तिगत जानकारी को साझा करने, दोस्तों और परिवार के साथ जुड़े रहने में बताते हैं। अध्ययन में 50 प्रतिशत विद्यार्थियों सोशल मीडिया को पढ़ाई में उपयोगी बताते हैं । तथा 45 प्रतिशत विद्यार्थी सोशल मीडिया को निश्चित रूप से पढ़ाई में उपयोगी माना है।

संदर्भ सूची

1. Ebiraj K. Academic and psychosocial impact of construction and dynamics of social media among university students. (Thesis). Periyar University, Salem, 2018.
2. Internetmatters. (n.d.). सोशल मीडिया का फायदा . Retrieved from https://www.internetmatters.org/hi/resources/social-media-advice-hub/social-media-ben[efits/
3. Kaplan A, Haenlein M, Business Horiz. Users of the World, Unite! The Challenges and Opportunities of Social Media. Business Horizons,2010:56:59-68.
4. Danah M, Ellison B. Social Network Sites: Definition, History, and Scholarship. Journal of Computer-Mediated Communication,2007:13:210-230.
5. MKGandhi.org. (n.d.). YmSevagram Ashram, Wardha. Retrieved from https://www.mkgandhi.org/museum/sevagram.php
6. Nisha S. Impact of social media networking among select school students with special reference to private schools in namakkal district. (Thesis). Periyar University, Salem, 2019.
7. Raja N. A study on impact of social media as an educational tool for media students in Tamilnadu. (Thesis). Bharathiar University, Coimbatore, 2021.
8. Rosencrance L. Media. Techopedia, 2023. Retrieved from https://www.techopedia.com/definition/1098/media
9. Saxena A. A Comparative Study of Peer Learning and Learning through Networking Sites on the Attitude towards Social Media and Achievement of Undergraduate Stud. (Thesis). Rabindranath Tagore University, Bhopal, 2021.
10. Shanthamurthy C. Higher secondary students academic achievement in relation to their academic commitment social media usage and social maturity. (Thesis). Annamalai University, Chidambaram, 2023.
11. Simplilearn. Impact of Social Media: Advantages and Disadvantages, 2024. Retrieved from https://www.simplilearn.com/real-impact-social-media-article
12. अहमद M, 2016. मार्क जकरबर्ग और एफबीआई के डायरेक्टर लैपटॉप के वेबकैम पर लगाते हैं Retrieved from https://www.aajtak.in/technology/story/facebook-ceo-mark-zuckerberg-uses-tape-on-webcam-and-mic-jack-to-avoid-hackers-374185-2016-06-22
13. कौर ग, 2018. सोशल मीडिया का बढ़ता इस्तेमाल इस तरह बना रहा है विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को खोखला. जागरण जोश. Retrieved from https://www.jagranjosh.com/articles/effects-of-social-media-on-students-life-1506341507-2
14. जायसवाल प, 2020. सोशल मीडिया पर मनी स्कैम से लोगों को लग रहा लाखों रुपये का चूना, जानिए क्या हैं बचने के उपाय. जागरण. Retrieved from https://www.jagran.com/business/top15-money-scams-are-happening-on-social-media-know-the-ways-to-avoid-20233314.html
15. जी न्यूज डेस्क, 2021. ये थी दुनिया की पहली सोशल मीडिया साइट, सबसे पहले अपलोड हुई थी चार लड़कियों की फोटो. Retrieved from https://zeenews.india.com/hindi/education/current-affairs-know-the-first-social-media-site-name-and-about-first-post-rsup/907334
16. दृष्टि आई ए एस. सोशल मीडिया: समस्या व समाधान. Retrieved from https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/are-social-media-platforms-the-arbiters-of-truth#:~:text=%E0%A4%B8%E0%A5%8B%E0%A4%B6%E0%A4%B2%20%E0%A4%AE%E0%A5%80%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE%20%E0%A